B.Ed 2nd year. 14/05/2020

प्रतिभाशाली बालकों हेतु विशिष्ट कक्षा-प्रबन्धन Thursday

प्रतिभाशाली बालक, अपनी कक्षा स्तर के सभी कार्यों को हल कर लेने के कारण कक्षा में उद्दण्डता करते हैं, जिससे सामान्य कक्षा-कक्ष में एक साथ सभी बालकों को शिक्षा देने में समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। इन बालकों के लिए अलग कक्षाओं, पाठ्यक्रमों, शिक्षण विधियों का प्रयोग करना चाहिए —

1. विशेष कक्षाएं — विस्तृत पाठ्यक्रम, अतिरिक्त क्रिया-कलापों, प्रयोगशाला कार्य आदि की व्यवस्था।
2. विशेष विद्यालय — सम्पूर्ण विकास के अवसर प्रदान करने की सम्भावनाओं को सुनिश्चित करके।
3. विशिष्ट पाठ्यचर्या — गृहकार्य तथा कक्षा कार्य उच्च कठिनता/न्यूनतम समय सीमा का।
4. विशेष शिक्षण विधियाँ — शिक्षण विधियों में विविधता व नवीनता लाना।
5. पाठ्येत्तर क्रियाएँ — प्रतिभाशाली बालकों के बहुआयामी विकास में सहायक।

मानसिक रूप से मन्दित बालकों हेतु कक्षा-कक्ष प्रबन्धन

1→ विशेष कक्षाएं।
2→ आधुनिक उपकरण।
3→ विशिष्ट पाठ्यचर्या।
4→ शिक्षण विधियां।
5→ पूर्वाग्रह से बचना।
6→ विशिष्ट शिक्षक।

पिछड़े बालकों हेतु कक्षा-कक्ष प्रबन्धन

1→ विशेष कक्षाएँ।
2→ विशेष विद्यालय।
3→ विशिष्ट पाठ्यचर्या।
4→ शिक्षण विधियाँ।
5→ विशिष्ट अध्यापक।
6→ समय-सारणी।
7→ पाठ्येत्तर क्रियाएँ, विविध अनुभव, वर्गीकृत पाठ्यचर्या।
8→ परीक्षा-प्रणाली।

End